दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 28 दिसंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 91

महत्वपूर्ण एवं खास

रेत माफिया ने की डंपर से एसडीपीओ को कुचलने की कोशिश

रांची (आरएनएस)। झारखंड के गुमला जिले में एक रेत माफिया ने कथित तौर पर एक डंपर ट्रक द्वारा एसडीपीओ की कार को कुचलने की कोशिश की। इसमें एक अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) और उनकी टीम के कुछ सदस्य घायल हो गए। रविवार की रात एसडीपीओ मनीष चंद्र लाल व उनकी टीम घटना के समय रेत के अवैध परिवहन की जांच कर रही थी। डंपर के साथ एक कार भी थी, जिसे जब्त कर लिया गया और वसीम मीर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के बाद पुलिस ने 17 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। हाल ही में राज्य में पुलिस पार्टी पर हमले की ऐसी ही दो घटनाएं सामने आई थीं।

आंध्र प्रदेश के दंपत्ति ने शादी के दिन अंगदान का लिया संकल्प

अमरावती (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश में एक कपल ने अंग दान करने का संकल्प लेकर अपनी शादी के दिन को खास बनाने का फैसला किया है। कपल की इस पहल से प्रभावित होकर उनके करीब 60 रिश्तेदार भी अंगदान फॉर्म भरने के लिए आगे आए हैं। सतीश कुमार और सजीवा रानी 29 दिसंबर को पूर्वी गोदावरी जिले के गांव वेलिवेन्नु में शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। युवक अंगदान का संकल्प लेकर शादी के दिन कुछ अच्छा करना चाहते है। दुल्हन ने भी उनके नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया। सतीश ने शादी के कार्ड पर अंग दान को लेकर संदेश छापवाया है, 'अंग दान करें जीवन रक्षक बनें'। उनके इस कदम की हर कोई सराहना कर रहा है। वर-वधू दोनों पक्ष के करीब 60 परिजन अंगदान करने के लिए राजी हुए। विशाखापत्तनम स्थित सावित्रीबाई फुले एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की चेयरपर्सन जी. सीतामहलक्ष्मी शादी के दिन अंगदान के फॉर्म प्राप्त करेंगी। सतीश कुमार ने विलिंग टू हेल्प फाउंडेशन के सहयोग से अपनी शादी के दिन अंगदान कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। कई लोगों ने उनके कदम की सराहना की है। इस कदम से अंग दान के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी के भाई कार दुर्घटना में घायल, बेटे-बहू को भी आई गंभीर चोटें

बेंगलुरु (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छोटे भाई प्रह्लाद मोदी मंगलवार को सडक़ दुर्घटना में घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा कर्नाटक के मैसूर में उस वक्त हुआ, जब वह अपने परिवार वालों के साथ जा रहे थे। उनकी कार कड़ाकोला में दुर्घटनाग्रस्त हुई। कार में उनकी पत्नी, बेटा और बहू भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि दुर्घटना में उनके बेटे और बहू को गंभीर चोटें आई हैं। इन सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रहलाद मोदी अपने परिवार के साथ मर्सिडीज बेंज में बांदीपुर जा रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब दो बजे कार एक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे की जगह से सामने आई कुछ तस्वीरों में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है।

कोरोना से निपटने देशभर के अस्पतालों में मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस विश्व भर में एक बार फिर तबाही मचा रहा है। वहीं भारत में कोरोना से संबंधित किसी भी घटना से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। भारत कोविड-19 मामलों में किसी भी बढ़ोतरी की स्थिति से निपटने के लिए अस्पतालों की तैयारियों की पड़ताल करने के लिए आज 'मॉक ड्रिल' की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि चीन और अन्य देशों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच एहतियाती उपायों के तहत देशभर में सभी कोविड अस्पतालों में आयोजित होने वाली 'मॉक ड्रिल' में सभी राज्यों के स्वास्थ्यमंत्री अपने स्तर पर हिस्सा लेंगे।

यह अभ्यास स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, आइसोलेशन बेड की क्षमता, ऑक्सीजन-समर्थित बेड, आईसीयू बेड, वेंटिलेटर-समर्थित बेड, डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स, आयुष डॉक्टरों की अधिकतम उपलब्धता जैसे मापदंडों को परखेगा। इस दौरान आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित अन्य फ्रंटलाइन कार्यकर्ता की भी जानकारी ली जाएगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कोरोना की स्थिति और तैयारियों के संबंध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ वर्चुअल बैठक की थी। उन्होंने बताया था कि मंगलवार को पूरे देश में सभी कोविड अस्पतालों में एक मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इसमें सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्री भी अपने स्तर पर हिस्सा लेंगे।

दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली भर के अस्पताल 27 दिसंबर को कोविड-19 मामलों में किसी भी वृद्धि से निपटने के लिए बेड और मैनपावर की उपलब्धता सहित अपनी तैयारियों का आकलन करने के लिए मॉक ड्रिल करेंगे। कुछ देशों में कोविड-19 मामलों में तेजी के बीच केंद्र ने सोमवार को इस आशय की एडवाइजरी जारी की थी। राष्ट्रीय राजधानी में एलएनजेपी अस्पताल और निजी अस्पतालों जैसे दिल्ली सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य केंद्रों में ड्रिल होगी।

सिसोदिया ने कहा कि केंद्र के निर्देशों के बाद मंगलवार को सभी अस्पतालों में एक मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी ताकि कोविड प्रबंधन के लिए उनकी तत्परता की जांच की जा सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किसी भी अंतराल पर तुरंत ध्यान दिया जाएगा। मॉक ड्रिल में बिस्तर की उपलब्धता, जनशक्ति, रेफरल संसाधन, परीक्षण क्षमता, चिकित्सा रसद, टेलीमेडिसिन सेवाओं और चिकित्सा ऑक्सीजन की उपलब्धता सहित अन्य बातों का आकलन किया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटिलेटर की उपलब्धता पर रीयल-टाइम डेटा मंगलवार से दिल्ली सरकार के पोर्टल पर जनता के लिए उपलब्ध होगा। एलएनजेपी के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि हम अभ्यास के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो कोविड-19 से संबंधित किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए हमारी तैयारियों का आकलन करेगा। कोविड-19 परीक्षण भी जल्द ही शुरू होने की संभावना है। एक अधिकारी ने कहा कि अभी शहर में रोजाना लगभग 2,500 से 3,000 परीक्षण किए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों में मंगलवार सुबह 10 बजे से मॉक ड्रिल होगी। इसमें कोविड से निपटने को लेकर की गई तैयारियां जांची जाएंगी। इसके लिए संबंधित अस्पतालों में एक नोडल अधिकारी नामित किया गया है। संबंधित नोडल अधिकारी मॉक ड्रिल में मिली खामियों से जुड़ी रिपोर्ट उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को सौंपेंगे।

भारत में कोरोना वैक्सीन का चौथा टीका भी जरूरी! केंद्र सरकार एक और बूस्टर डोज को देगी हरी झंडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। चीन में कोरोना महामारी का खतरा पल-पल गहराता जा रहा है। पड़ोसी देश में कई लोग बूस्टर डोज लगा चुके हैं, लेकिन बावजूद इसके सरकार और विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना की नई लहर में बूस्टर डोज नाकाफी है। ऐसे में भारत में भी इस पर सरकार चिंतित है। इसीलिए अब दूसरी बूस्टर डोज की मांग तेज हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रतिनिधियों और अन्य शीर्ष डॉक्टरों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ कोविड-19 पर चर्चा की और उनसे आग्रह किया कि वे लोगों को अपनी दूसरी कोरोनोवायरस बूस्टर खुराक लेने की अनुमति दें। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, बैठक एक वीडियो कॉन्फ्रेंस पर, प्रकोप में किसी भी संभावित उछाल के लिए तैयारियों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। इन लोगों ने कहा, मंडाविया ने निर्यात से आशंकाओं को दूर करने के लिए सटीक जानकारी प्रदान करके कोविड के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने और एक इन्फोडेमिक को रोकने के लिए कहा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ जेए जयलाल, जो स्वास्थ्य मंत्री के साथ बैठक का हिस्सा थे, ने कहा कि सरकार से आबादी के लिए चौथी खुराक पर विचार करने का आग्रह किया गया था, खासकर स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए। उन्होंने कहा, हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए आखिरी खुराक लगभग एक साल पहले शुरू हुई थी। इतना लंबा गैप इम्युनिटी खत्म कर देगा। हमने मंत्री से लोगों, विशेष रूप से डॉक्टरों, नर्सों, अस्पताल के अन्य कर्मचारियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के लिए चौथी एहतियाती खुराक पर विचार करने का आग्रह किया है, जिन्हें रोगियों का प्रबंधन करना है और जो अधिक जोखिम में हैं।

फार्मा कंपनी की लैब में लगी भीषण आग, 4 मजदूर जिंदा जले

विशाखापत्तनम (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली में परवाड़ा लौरस फार्मा लैब्स लिमिटेड कंपनी में अचानक लगी आग में शाम चार श्रमिकों की जलकर मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक पुलिस निरीक्षक के मुताबिक, जख्मी व्यक्ति को पास के अस्पताल में एडमिट करा दिया गया है, जहां उसको उपचार चल रहा है। पुलिस ने कहा कि यह हादसा रखरखाव के काम के दौरान हुआ।

वहीं राज्य के उद्योग मंत्री अमरनाथ ने कहा कि जख्मी मजदूर का अस्पताल में उपचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि सीएम जगन मोहन रेड्डी को घटना की जानकारी दी गई है। इसके बाद सीएम रेड्डी ने मृतक मजदूरों के परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया है। इसके साथ ही मंत्री अमरनाथ ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को हादसे में गंभीर रूप से जख्मी एक अन्य श्रमिक को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं हादसे की वजहों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़ितों में कंपनी के 3 कर्मचारी और 2 संविदा कर्मचारी शामिल हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बीच, फार्मेसी के कर्मचारियों और सीटू नेता सत्यनारायण ने पुष्टि करते हुए बताया है कि सोमवार शाम को हुई भयानक अग्निकांड में चार लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यूनिट में सुरक्षा उपायों की कमी थी, जो मौतों के लिए जिम्मेदार बनी।

सीबीआई ने धूत, कोचर परिवार से की एक साथ पूछताछ

❐ लोन फ्रॉड मामला

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने वीडियोकॉन ग्रुप के एमडी वी.एन. धूत, आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर और उनके पति व व्यवसायी दीपक कोचर से लोन फ्रॉड मामले में एक साथ पूछताछ की। तीनों वर्तमान में तीन दिनों के लिए सीबीआई की हिरासत में हैं, और मामले में नए खुलासे के लिए उनसे एक साथ पूछताछ की गई।

सीबीआई सूत्रों ने कहा कि तीनों से एक ही तरह के सवाल पूछे गए। जिनमें से कुछ सवालों पर वे टालमटोल कर रहे थे। उन्होंने पूछताछ की कार्रवाई में सहयोग नहीं किया।

26 अगस्त, 2009 को, चंदा कोचर की अध्यक्षता वाली तत्कालीन आईसीआईसीआई बैंक स्वीकृति समिति ने बैंक के नियमों और नीतियों का उल्लंघन करते हुए वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (वीआईईएल) को 300 करोड़ रुपये का टर्म लोन मंजूर किया, जिसमें सह-आरोपी व्यक्तियों के साथ बेईमानी से लोक सेवक के रूप में उसकी आधिकारिक स्थिति का दुरुपयोग करके आपराधिक साजिश रची गई।

लोन 7 सितंबर, 2009 को वितरित किया गया था और अगली तारीख 8 सितंबर, 2009 को, धूत ने अपनी कंपनी सुप्रीम एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एसईपीएल) के माध्यम से वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड से दीपक कोचर द्वारा प्रबंधित एनआरएल को 64 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। सीबीआई को पता चला है कि चंदा कोचर वीडियोकॉन ग्रुप के लोन प्रस्ताव की अवधि के दौरान एक फ्लैट में रह रही थी, जबकि फ्लैट वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड और दीपक कोचर के बीच कब्जे के लिए मुकदमेबाजी के तहत था। इसके बाद, फ्लैट (1996 में 5.25 करोड़ रुपये की कीमत) को 2016 में 11 लाख रुपये की मामूली राशि पर दीपक कोचर के पारिवारिक ट्रस्ट क्वालिटी एडवाइजर को हस्तांतरित कर दिया गया।

सड़क हादसों ने ली छह की जान, कार के उड़े परखच्चे

0 आगरा एक्सप्रेस-वे पर एकसाथ बुझे तीन घरों के चिराग

मेरठ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मेरठ समेत बिजनौर व मुजफ्फरनगर में मंगलवार को हुए अलग अलग हादसों ने छह लोगों की जान ले ली। सोमवार देर रात जहां आगरा एक्सप्रेस वे पर हुए भीषण हादसे में मेरठ के लावड़ निवासी तीन लोग घायल हो गए, जिन्होंने मंगलवार सुबह उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं बिजनौर में आज सुबह घने कोहरे के कारण एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो लोगों को कुचल डाला, जबकि मुजफ्फरनगर में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टामार्टम के लिए भिजवा दिए।

लखनऊ से वापस लौटने के दौरान उन्नाव कट के पास आगरा एक्सप्रेस वे पर सोमवार देर रात सडक़ दुर्घटना में अधिशासी अधिकारी समेत तीन घायल हो गए। मंगलवार सुबह तडक़े तीनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मरने वालों में लावड़ नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी, लिपिक व स्वच्छ भारत मिशन के टीसी थे। आगे विस्तार से जानें कैसे अलग अलग सडक़ हादसों में बुझ गए छह घरों के चिराग।

हापुड़ के रहने वाले अधिशासी अधिकारी सुधीर सिंह पिछले चार वर्षों से लावड़ नगर पंचायत का चार्ज था। जबकि, मवाना खुर्द निवासी असलम भी नगर पंचायत में तैनात थे। बताया गया है कि सोमवार को अधिशासी अधिकारी सुधीर सिंह, असलम व तनुज ठाकुर लखनऊ से वापस मेरठ के लिए लौट रहे थे। उन्नाव कट के पास आगरा एक्सप्रेस वे पर पहुंचने पर सडक़ दुर्घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

तीनों को कन्नौज स्थित तिर्वा मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां, उपचार के दौरान सबसे पहले अधिशासी अधिकारी ने दम तोड़ दिया। इसके बाद असलम और तनुज की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। कन्नौज पुलिस ने मामले की जानकारी दौराला नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को फोन पर दी। सूचना मिलने पर कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई। तनुज ठाकुर को स्वच्छ भारत मिशन के तहत लावड़ नगर पंचायत में टीसी की जिम्मेदारी दी गई थी।

सिवालखास व हर्रा का था अतिरिक्त चार्ज- अधिशासी अधिकारी सुधीर सिंह पर लावड़ नगर पंचायत के अलावा सिवालखास व हर्रा नगर पंचायत का भी अतिरिक्त कार्यभार था। साथ ही असलम पर भी लावड़ के अलावा हर्रा और खिवाई नगर पंचायत का लिपिक का चार्ज था।

सप्ताह भर पहले असलम पर हुई थी कार्रवाई- लावड़ नगर पंचायत में तैनात असलम पर विभिन्न मामलों में धांधली बाजी की शिकायत कमिश्नर से की गई थी। जिसको लेकर मामले की जांच चल रही थी। असलम ने लावड़ नगर पंचायत में सफाई कर्मचारी के पद पर नियुक्ति पाई थी बाद में लिपिक के पद की जिम्मेदारी मिली। लेकिन नियम खिलाफ लिपिक का पद दिए जाने को लेकर शिकायत की गई थी। सप्ताह भर पहले ही कमिश्नर के आदेश पर असलम से लिपिक का चार्ज छीन लिया गया था और दोबारा सफाई कर्मचारी के पद की जिम्मेदारी दी गई।

भाई ने बहन की हत्या कर शव घर में दफना दिया

लखनऊ (आरएनएस)। झूठी शान की खातिर एक युवक ने अपनी बहन की हत्या कर शव को घर के अंदर दफना दिया। पुलिस ने आरोपी हिमांशु सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। खबरों के मुताबिक आरोपी और उसकी 22 वर्षीय बहन शिवानी सिंह अकेले रहते थे। उनके माता-पिता की पांच साल पहले मौत हो गई थी।

गांव के ही एक व्यक्ति के साथ शिवानी के संबंध को लेकर हिमांशु और शिवानी के बीच विवाद हुआ।

पुलिस के मुताबिक हिमांशु ने दुपट्टे से अपनी बहन का गला घोंटा और उसके शव को घर के अंदर दफना दिया।

एक दिन बाद स्थानीय लोगों ने घर से लडक़ी के लापता होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। लखनऊ उत्तर के पुलिस उपायुक्त कासिम आब्दी के अनुसार, पुलिस ने देखा कि घर के दो कमरों में से एक का फर्श खोदा गया था।

अधिकारी ने कहा, शुरुआत में हिमांशु ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। लेकिन जब पुलिस ने सख्ती की तो उसने सब कुछ बता दिया। शव को निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने खुद अपराध का संज्ञान लिया और प्राथमिकी दर्ज की।

विधवा को स्त्रीधन से वंचित करना घरेलू हिंसा के समान : कलकत्ता हाईकोर्ट

कोलकाता (आरएनएस)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कहा कि विधवाओं को स्त्रीधन या संबंधित वित्तीय संपत्ति के अधिकार से वंचित करना उनके खिलाफ घरेलू हिंसा के बराबर है। कानून के अनुसार, स्त्रीधन सभी चल, अचल संपत्ति, उपहार आदि महिला को शादी से पहले, शादी के समय, बच्चे के जन्म के दौरान और विधवापन के दौरान प्राप्त होता है। स्त्रीधन से संबंधित एक मामले में फैसला सुनाते हुए, न्यायमूर्ति सुभेंदु सामंत की एकल-न्यायाधीश पीठ ने फैसला सुनाया कि स्त्रीधन सहित किसी भी वित्तीय संपत्ति के अधिकारों से विधवा को वंचित करना घरेलू हिंसा के बराबर है।

उन्होंने कहा- इस मामले में यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता को प्रतिवादी द्वारा लंबे समय तक स्त्रीधन के अपने अधिकारों से वंचित रखा गया है। सुनवाई एक विधवा द्वारा अपने ससुराल वालों के खिलाफ याचिका पर थी, जिन्होंने कथित तौर पर 2010 में उसके पति की मृत्यु के दो दिन बाद उसे घर से बाहर निकाल दिया था। याचिकाकर्ता ने हावड़ा जिले में निचली अदालत का रुख किया और आरोप लगाया कि जब उसे उसके ससुराल से बाहर कर दिया गया था, तो उसे स्त्रीधन सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता से वंचित कर दिया गया।

हालांकि, हावड़ा की निचली अदालत ने उसकी याचिका को खारिज कर दिया और यह भी कहा कि उसके ससुर और सास को उसे किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता देने की आवश्यकता नहीं है। इसके बाद महिला ने फैसले को चुनौती देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। मामले में लंबी सुनवाई के बाद जस्टिस सामंत की बेंच ने निचली अदालत के आदेश को खारिज करते हुए उनके पक्ष में फैसला सुनाया।

पेपर लीक मामला : बीजेपी सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने की सीबीआई जांच की मांग

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में वरिष्ठ शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को जिम्मेदार ठहराते हुए भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने मंगलवार को कहा कि आरपीएससी के कर्मचारियों ने आरोपी सुरेश ढाका और भूपेंद्र को 15 दिन पहले पेपर दिया था और इसलिए मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। उदयपुर में पेपर लीक होने के तुरंत बाद, इसे जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा और कोटा में भी छात्रों को पास कर दिया गया। ऐसे में पूरी भर्ती परीक्षा को रद्द कर मामले की सीबीआई से जांच कराई जाए। क्योंकि पेपर लीक मामले में राजस्थान सरकार के कई प्रशासनिक अधिकारी और राजनेता भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने ऐसा नहीं किया तो मैं जनता के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ अभियान शुरू करूंगा।

मीणा ने आरोप लगाया कि आरपीएससी के कर्मचारियों ने सुरेश ढाका और उनके सहयोगियों को तीन बार 80-80 (कुल 240) प्रश्नों का एक सेट दिया था। यह स्पष्ट है कि कागज प्रिंटिंग प्रेस से जुड़ा नहीं है। बल्कि आरपीएससी के मॉडरेटर ने पेपर लीक किया है। मेरे पास उस व्यक्ति का भी नाम है, जिसके द्वारा सुरेश और उसके साथियों को पर्चा दिया गया था। लेकिन जांच प्रभावित होने के कारण फिलहाल मैं उनके नाम का खुलासा नहीं कर सकता। लेकिन मैं किसी दोषी को बख्शने वाला नहीं हूं।

उन्होंने कहा, सुरेश ढाका लंबे समय से जयपुर में कोचिंग चला रहा है। इससे पहले भी वह भर्ती परीक्षा में धांधली और पेपर लीक की घटनाओं में शामिल रहा था। लेकिन उसके रसूख के चलते पुलिस प्रशासन ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जिससे उसकी हिम्मत और बढ़ गई। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ एक पूरा गिरोह तैयार किया जिसमें कई सरकारी कर्मचारी और बेरोजगार युवा शामिल हैं। सुरेश ढाका को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए ताकि असली गिरोह का भंडाफोड़ हो सके।

सांसद मीणा ने कहा कि राजस्थान सरकार के अंतर्गत अब तक 16 भर्ती परीक्षाएं कराई जा चुकी हैं। जिसमें से 10 भर्ती परीक्षाओं का पेपर लीक हो गया है जिससे लाखों युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ गया है ऐसे में इस पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच होनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो मैं सरकार के खिलाफ संघर्ष करूंगा और युवाओं के साथ बड़ा आंदोलन शुरू करूंगा।